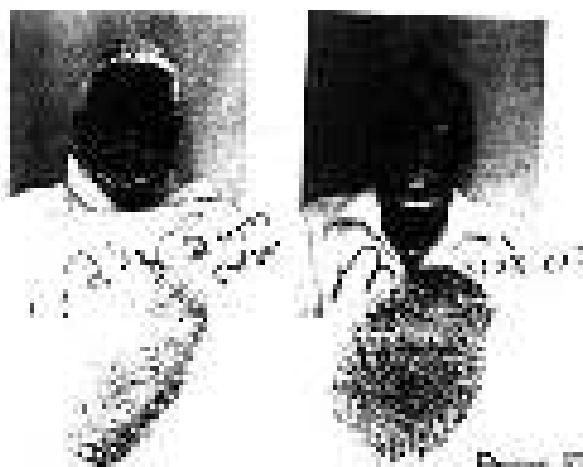




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

23.20.12



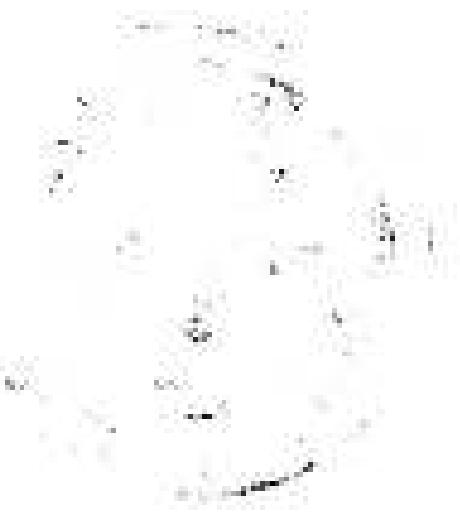
विषय लिनेवा

मोहम्मद बी यादवी	₹ 6,51,338/-
पालसर यादव	₹ 6,00,554/-
उमा किंद्र नवे यादव अधिका	₹ 65,200/-

१. इमं द यादवा	कृषि
२. यादव	ग्रामपाल
३. यादव	प्रधानमंत्री ग्राम पाल
४. उमा किंद्र यादव	कृषि यादव यादव ५८७-५५१ ०.२९९

For १०१० - १०११ वर्ष के लिए

प्रधानमंत्री ग्राम पाल





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2020/13

१०-

मुख्यमान विषय जनसंख्या
कुल, गरीब लोगों, लहरी व
जल बचाव

५.	मास के लिए	मेलेवा
६.	ग्रामीण व लोगों	२.३५ रुपये
७.	लहरी व लोगों	ग्रामीण टिकट व अग्रदूत वा मे
८.	जलविधि व लोगों	लग्नवार २०० रुपये से लेक
९.	पेटी व लोगों	परी
१०.	जल व लोगों	परी व जल लोगों
११.	जल व लोगों	परी व जल लोगों

परी १२.४५ रुपये

लोगों १२.४५ रुपये



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

23/2034

बोक्स नम्बर - 10 लाइन
लाइन

लाइन	पुण्य - 0-192-193-434
लाइन	जयगंगा - 0-493-488
लाइन	कर्णपील राजस्थान - 0-508
लाइन	कुटुंब - 0-902-751

प्रथम का विवरण - १

द्वितीय प्रथम विवरण - ।

विवरणात्मक विवरण	विवरण विवरण
प्रथम लाइन २ कार्यक्रम कुरुक्षेत्र केरल निवासी पुण्य द्रव्यमाला दुर्भाग्य वर्षा अवधि, २००५ से दिवाली तक।	द्वितीय लाइन द्वितीय लाइन अवधि ११३०, असाधीय वर्षा प्रथम वर्षा, चंद्र विवरण द्वितीय लाइन द्वितीय लाइन वर्षा द्वितीय दिवाली, २००५ द्वितीय वर्षा,



प्रथम विवरण
द्वितीय विवरण

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



	अधिकारी द्वारा जारीकरण करार की विनायक श्रीमति शुभ श्री पंडित श्री श्रीकर्म वामान व स्वामी ज्ञा गुरुनंद लल वहारमाधी (०३) लखनऊ, १५. १०. २०१४ को।
स्वाक्षर्य- शुभे	अधिकारी- गवर्नर

फॉर्म नं. विसेश १ अन ताह २ रुपयम् चुकायते किसी
प्राप्तिकार्य परा नुसद्दरार मुद्रा, उत्तरा किसी, नहीं व निरा
मकानक विनायक श्रीमति शुभ श्री पंडित श्रीकर्म वामान व स्वामी ज्ञा
गुरुनंद लल वहारमाधी (०३) लखनऊ का है।

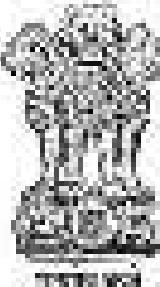


भारतीय और -योग्याधिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹ 100



ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G-436272



रुपयां सौ 100, दसवीं रुपया, उत्तर प्रदेश
जनन पत्र द्वारा वालपाटा निलंग, 13, गोपीनाथ
लखनऊ द्वारा अधिकृत हस्ताक्षर द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2010
श्रीवल्लभ चतुर्मास का तुलना जल वालपाटा निलंग,
13, गोपीनाथ, हस्ताक्षर द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2010
निभाते, विषय गया।

म: डि. विश्वामित्र गुप्त उत्तर प्रदेश 187 एम्ब 1-296 फैसलार, फिरा
गुप्त, वालपाटा, गोपीनाथ, गोपीनाथ व विलाल लालन ए
विलाल लालन



विलाल लालन
विलाल लालन
विलाल लालन

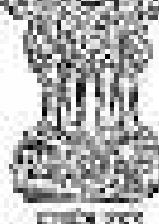
भारतीय और न्यौयिक

एक रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 436579

महाराजा चंद्रिनाथ द्वारा अवधि कालांगन परिषद् अधिकारी
का सब्ज बाजार के उन्मत्त पूर्ण भेदों का एक अधिकारी द्वारा
इसके लिए है और इसका काल एवं आवल अन्त गणन अधिकारी के
होता है। इसका एक अन्त मन्त्र है। कोई को इस नियम किसी छाप
मिल नहीं जाता है। इसका लागत सदृश रूपी है। यहाँ इसका वा
दावहार है। यह वास्तव लाप ने इस पूर्ण भूषि भूषि है और इस पूर्ण
गणन मूल एवं वित्त नहीं है। एक ऐसी विधान वर्ग विधियां करता है जिसका
आवल अन्त मन्त्र मध्ये विधा ने नहीं है। यह एक वास्तव विधि है। इसका विवरण
मिलने वाला है। इस विधि का दूसरा नाम इसका विवरण है। इसका विवरण



प्रधान नियम विधि विवरण
प्रधान नियम विवरण

इत्यादि जहे तिना हैं किंवद्दनम् ने उक्त शुभि वा कृति लोग या अन्य प्रमुख जा जहे करने गए हिंसा है। यहि जहे ऐसा अपि भविता है तो उन्हें डाक्टर किंवद्दनम् व उन्हें वारिसाम व डिप्लोमा डाक्टरीफ्रेंचरी भुवि है। उपरोक्त शूम या उमस्त्र योंहे भग लेसी न्यासलाई या अन्यथा ये बहुतबहुत दो उन्हांग लेखा वा उक्त शिख नहीं है, तो तो न्यूट इत्यादि है। किंवद्दनम् ने उक्तादि उक्त शूभि में लिंगों अन्य अंकित आ रखा, तब ये नया दृश्यों बने हैं, एवं किंवद्दनम् को उक्ता किंवद्दन अक्षाम्य अन्हें जा गुरु उक्तिवार प्रस्तु है। उक्तादि उपरोक्त भविता के पक्षलगाता शुल शिख दूध ८० ६,५१,३५०/- में प्रसिद्धा है जो समझ उपरोक्त के द्वाये किंवद्दनम् ने इस शिखेव ने अन्ह गे ये एवं अनुपूर्णी मे अंकित भविता वे उन्हांग उक्तान कर दिया गया है एवं लेसी प्राप्ति जो किंवद्दनम् यही लेसीलाद बनते हैं, तथापुराता अन्ह किंवद्दनम् उक्त लेसी के जाह उपरोक्त योंहों शूम, उमस्त्र विद्वत् इस किंवद्दन शिखों गे अन्ह वे अनुपूर्णी वे अन्हांत तिना गया हैं क्यों कहूँ लेसी शिख है, एवं उक्तेनाम वे लेसीलाद शूम या जैले या उक्ता बेंज वह वाघुर्ये कर्या दिया गया है। वह उक्ता वागानी एवं किंवद्दनम् दृश्य उमस्त्र ग्राहिता का जहे अंकिता बही है। किंवद्दनम् ने लिङ्गपुरुष लगाता वे अन्हे क्यालिय वे समन्व शौकियों ने साह पूर्णिया व लैंड्रेक के द्वाये के द्वाये लेसी जाहांलित कर दिया है। अन्ह कैला विकाहुया जाप्तिल एवं अन्हे उक्तेक भग गों अपने एक्साम लांसिल व अपिकार व उक्तों में लगाता की त्या गे वरण वर्ष उपरोक्त व उपरोक्त जौते। किंवद्दनम् व उक्ते वारिसाम,



लिंगपुरुष
 लेसीलाद
 शूम

उसने शिसी द्वारा जो कहन चाह नहीं था उसके बर्बन है वही परा
जो लगें तो वह अपनाये आयें इत्या वोह या शिवाय दे
लगिए गे जूटि वे काम या कानूनी अद्यता या कानूनी दूर जे छाप
चिन या उसके बास्तव विषयकाम इन्हिं के अपने पर अपेक्षाद ना
बह वे लिख चाहे तो ऐसे लिख लायान, विषयकाम लागि को
इह उक लिए ये यह अन्ना लाल तुलसीपर इसी र लकड़ी
किलायाए। वह अन्न अपनी मापिल है औरने अपना अमृत लाने से उस
शिसि ने शिसी दूर उसके बास्तव लगाये या लावां देने लेने चाह छैन ।

यह जो शिवाय उह भी प्रीति दाता है जि उक भूमि उच्चनक
शिवाय प्राप्तिरथ, उष्णकर तथ उपेय लायाम एवं गेहूल पीथ,
उच्चनक तथ उपर शिसी गी गालडी उस विश्वली देख उप
अंपाहंल गहे तो यहां भैरव - श व्रहायाम है ।

यह ये दोनो शिवायाम सचमि के अधिक अधिक उनमें
जाकरेहो ने अपने नाम दर्श करा है तो शिसी भी केवल जानेत न होती
और यह कि इस शिवाय जिसेहो ने गूच रख आया विहै इकत्ता शिसी यहां
यह या इह सर्वतो या तोग दो उसको शिवेताम गुणान न करें,
शिसी को अहं शिवि न होती ।

यह जि शिवाय उहां दर्श द्वन्द्व मृदुलालगार मूलकर
अव्याप्त हैर वे शिव ताम के अन्दर भाव है इहिए जियारित



लाइन रेट रु 13.75,000/- पर्से लिंकेन ने तुम सूप्र का विषय कहा ही एवं एक भी हो छा है इसके २५ प्रतिशत बृद्ध करने पर रु ३० १७,१८,८५०/- के विषय पर जिला सूप्र ०.२९३ लिंकेन की मालिया रु १,००,०५५/- होती है तथा लैन नुस्खा पूर्ण वे बजार सूचि से उत्पन्न है इसका विषयानुसार विषय सूचि पर ही रु ६५,२००/- अन्तर स्थाप अग्र गिरा जा रहा है। यह एवं उपरोक्त विकेन्त तुम सूप्र की उपयोगी के लिए सूचि को जा रही है। यहाँ में कोई पैद इनका अधि नहीं है तथा जिली प्रबन्ध ने आवासीय विविधियाँ जली जल रही है वे कोई नहाना, तुम्हारी जी नहीं है, तथा २०० नी० के अपेक्षाकृत में कोई विषय नहीं है जिकोहि सूप्र जिसे लिंग भारी, विषयानं व वापरावेत् यां पर उपयोग नहीं है। विकेन्त तुम सूप्रानुसार रेजिस्टर न दाता शहीद राज अवगता २०० चंडी ही अविल दूरी पर रहता है। विकेन्त तुम अनुसूचित विषयानि एवं संखाएँ नहीं हैं। इस विषय विवेद के विषयान एवं संखाएँ विषय विवाह नहीं हैं।

शिल्पा यह विषय एवं विकेन्तानि ने देखा है एवं एक विषय विवेद ग्रन्थ एवं और अवगता ग्रन्थ एवं एक विवेद।

प्राप्तिकाल: सूप्रान विवेद

१. विषयानि की रु ३,२५,६०९/- ग्रुप विवेद १६५-१६५५५३ विविति १२.१२.२०१६ को द्वारा विकास विवेद विषयानक जोड़ी है एवं एक विवेद।



411207002 400300004
ਲੋਕਾਂ - ਮੁੱਲ
ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਵਾਲਾ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ
ਖੇਡ ਵਾਲਾ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ
ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ
ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ
ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ

ਲੋਕਾਂ

3,000.00 20 7 112.30 2,040

100

ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ



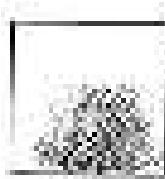
ਲੋਕਾਂ

ਜਾਨ ਸਿੰਘ ਬੈਂਸਾਂ

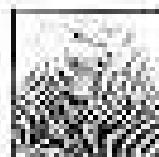
2000.00

101207008

ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ



ਲੋਕਾਂ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ
ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ



ਲੋਕਾਂ
ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਸਹਿਯੋਗ
ਕਾਨੂੰਨ ਵਾਲਾ



2. विकलाल यो स्ट ३,२५,६८/- इन एक संग्रह-बुद्धि अधिकारी
१२,११,४००८ द्वारा विवर तेज़ विवाहांत्र विवर में प्रद
त्ता।

इस एका विवरावर दे दुष्प विवर युवा ५,५१,२३९/- (इम्फ)

3. इन दूसरन एक शीर्ष दी उन्नतिः पश्चि देश में प्रदा दुष्प
विवरों प्राप्ति विवाहांत्र लोकां करने हैं।

लक्षणः

दिनांक १२.१२.२००६

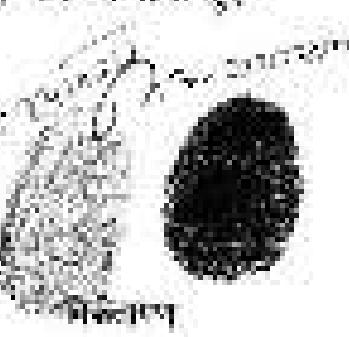
प्राप्ति :

१. विवाह विवर

विवाहांत्र विवर
५० रुपा ५० रुपा
५५० रुपा ५५० रुपा

२. विवाह विवर

विवाहांत्र विवर
५५० रुपा ५५० रुपा



विवाहांत्र

दिनांक १२.१२.२००६
विवाहांत्र विवर
५० रुपा ५० रुपा

लक्षणः

विवाहांत्र

(विवाह विवर
प्राप्ति)

दक्षयन्त्र

विवाहांत्र

(विवाह विवर)

लिखा देव, राजकुमार।

• विकास नाथ देव

प्राचीन वर्तमान अवधि का लेखन
पृष्ठ १८ छोटी सी बिल्कुल

दिनांक

लिखित: विकास नाथ

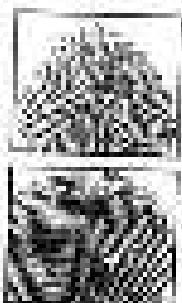
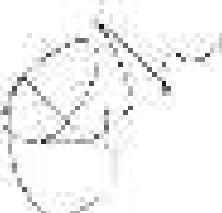
पृष्ठ १८

पृष्ठ १९

पृष्ठ २० छोटी सी बिल्कुल

दिनांक:

विकास नाथ देव का लेखन अवधि का लेखन



संस्कृत विज्ञान

प्रा. विज्ञान (प्राची)

संस्कृत:

१८०७२०८



125
200

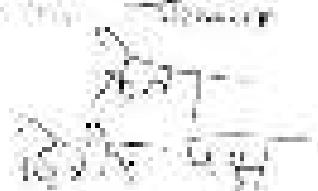
(2,714) *Convolvulus* sp.

24,000 5.233 sp.

5.233



20,000 5.233
5.233



5.233

संग्रह

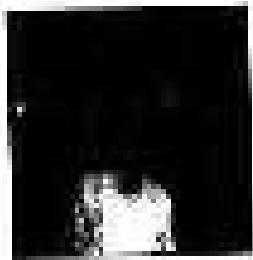
Registration No. ३७०५

Date: २०८०

Page No.

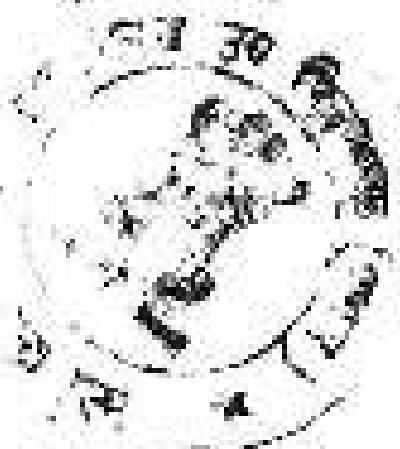
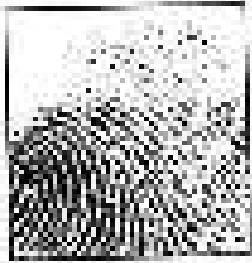
०११ - ०१२

विवर
प्राचीन लकड़ी
मुद्रा



०१२ - ०१३

विवर
प्राचीन लकड़ी
मुद्रा



हिंदी शब्दों की आरा - 32 लूप के अनुपालन हेतु
फिल्म प्रिल्टर्स

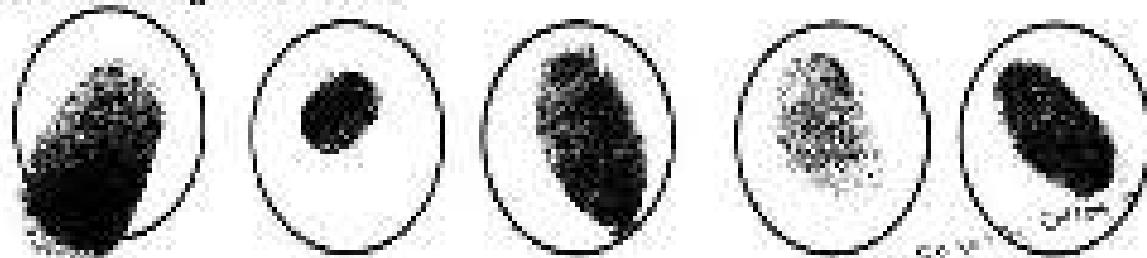
प्राकृतिक गोल रूप :-

प्राकृतिक गोल रूप

वाले रूप के अनुपालन में लूप :-



वाले रूप के अनुपालन की दिशा :-



प्राकृतिक गोल रूप का उत्तम रूप

प्राकृतिक गोल रूप :-

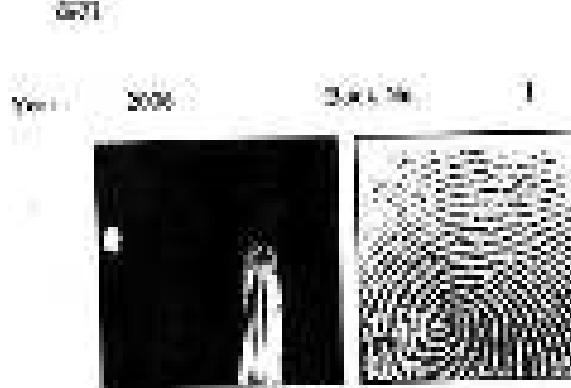


वाले रूप की डी लैनिंग के लिए :-



वाले रूप का अनुपालन का लूप

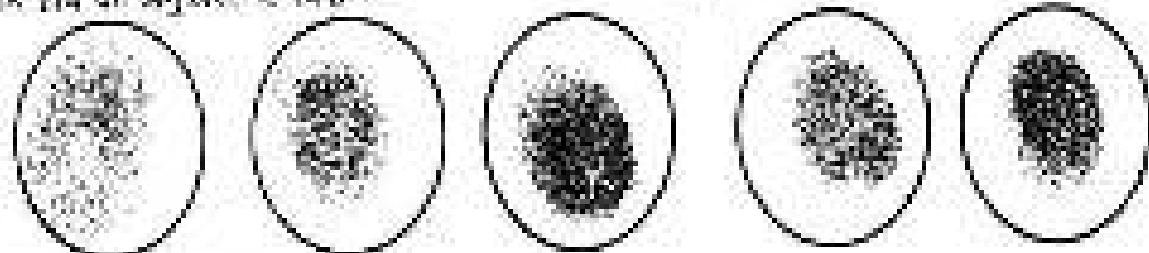
ବ୍ୟାକିଲାଙ୍କା
ପ୍ରଦୀପ ମହାନ୍ତିର
ପ୍ରଦୀପ ମହାନ୍ତିର
ପ୍ରଦୀପ ମହାନ୍ତିର
ପ୍ରଦୀପ ମହାନ୍ତିର



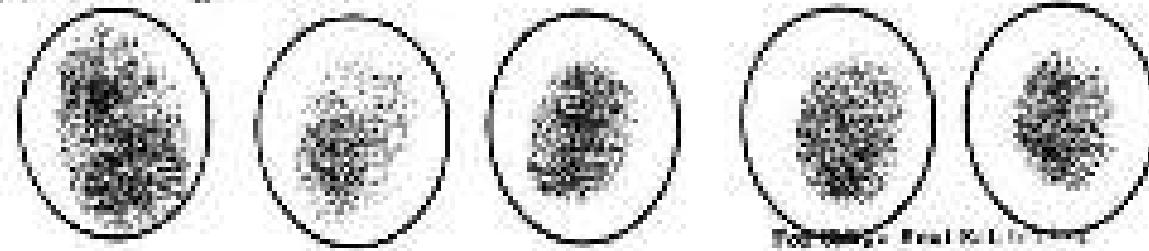
इंडियन ट्रेनिंग सेंटर 1908 की आसा - 32 त्रृति के अवधारणा हेतु
फिल्मर्स फिल्मर्स

प्रश्नोत्तरी, विज्ञान एवं विद्या - इन्हें बढ़ाव देने के लिए

वार्षिक वी अनुसिद्धि एवं विद्या - इन्हें बढ़ाव देने के लिए



वार्षिक वी अनुसिद्धि एवं विद्या -



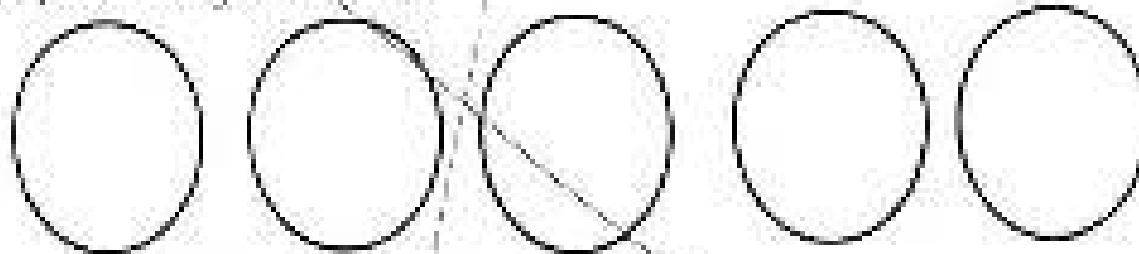
प्रश्नोत्तरी, विज्ञान एवं विद्या

इन्हें बढ़ाव देने के लिए

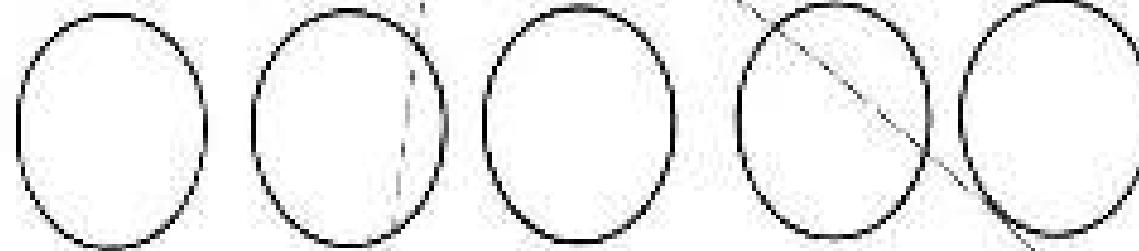
प्रश्नोत्तरी, विज्ञान एवं विद्या के लिए

विज्ञान, विद्या एवं विद्या :-

वार्षिक वी की अनुसिद्धि एवं विद्या :-



वार्षिक वी की अनुसिद्धि एवं विद्या :-



विज्ञान, विद्या एवं विद्या

प्राप्त दिनांक 12/12/2006 अ.

संग्रहीत 1 वर्षा में 3079

दृष्टि 171 + 196 ग्राममें 14536

संग्रहीत विधाया द्वारा ।

कल्पना शुल्की

रघु विजयकुमार (संग्रहीत)

लखनऊ

12/12/2006